आधुनिक भारत के निर्माता

Y2w M56 I55
D06140

लोकमान्य बाल गंगाधर

तिलक

डॉ. दीपक ज. टिळक

आधुनिक भारत के निर्माता
लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

मेकर ऑफ मॉडर्न इंडिया
इस अंग्रेजी पुस्तक के लेखक व संपादक
डॉ. दीपक ज. तिलक

हिंदी भावानुभवाद – डॉ. यश:श्री कर्वे

अनुक्रमणिका

प्रारंभिक दिन	१
न्यू इंग्लीश स्कूल और डेक्कन एज्युकेशन सोसायटी	३
केसरी और मराठा	५
राष्ट्रीय त्यौहार	९
अकाल और प्लेग	१३
भारतीय अध्ययन में बौद्धिक योगदान	२१
गीता – रहस्य	२५
विविध अदालती मुकदमे	२९
तिलक और काँग्रेस	४९
होमरूल लीग	५५
चतु:सूत्री	५९
लोकमान्य तिलक – लंदन में	७३
तिलक और गांधी	७७
चुनिंदा यादें	८०
पारिवारिक संस्मरण	९२
विरला व्यक्तित्व	१००
अंतिम यात्रा	११०
तिलक वंशवृक्ष	१११

लोकमान्य तिलक ने खुद अपनी जिंदगी में स्वतंत्र भारत का एक सुंदर चित्र संजोके रखा था। एक सशक्त विकसित और जनतंत्र के तत्त्वों का स्वीकार करनेवाले देश के रूप में वह चित्र बना था। लोकमान्य तिलक हिंदुस्तान की आजादी के सूरमा नेते, युगपुरुष, महान गणितज्ञ, विद्वान, दार्शनिक तथा पंचांगतज्ञ और खगोलशास्त्र के अध्येता थे। सरस्वति का विशेष वरदान उन्हें मिला था। साथ ही साथ वे द्रष्टा भी थे। इसी लिए देश की आजादी के पूर्व उनकी बनाई हुई 'स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार तथा राष्ट्रीय शिक्षा' की चतु:सूत्री आधुनिक काल में भी देशविकास के लिए उपयुक्त साबित हो रही है। श्रीमद् भगवद् गीता का अधिष्ठाता और 'गणित में तर्कशास्त्रीय प्रणाली' इन ग्रंथों में लोकमान्य तिलक द्‌वारा लोगों के सामने रखे हुए विचार आज भी कालातीत प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि महात्मा गांधीजी द्‌वारा लोकमान्य तिलक को प्रदत्त 'आधुनिक भारत के निर्माता' उपाधि संपूर्णतया सार्थक साबित होती है।

मुद्रक और प्रकाशक – डॉ. दीपक ज. तिलक
अध्यक्ष – लोकमान्य तिलक स्मारक ट्रस्ट १६५१ सदाशिव पेठ, पुणे ४११ ०३०.
फोन : ०२०-२४३३४००४ / २४३३९००५